

सं० 15/46-100/83/वि०
बिहार सरकार, शिक्षा विभाग
=====

1474

श्री कृष्ण ब्रह्मद,
सरकार के विशेष सचिव, बिहार।

मुजफ्फरपुर,
बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर।

पटना, दिनांक 10 दिसम्बर, 85

प्रकाशित मजहस्त एक डिग्री महाविद्यालय, तरवारा (सोवान) पर 400 रु०
एवं 400 रु० (पाठ) स्तर के सर्वजन के सर्वे में।

साध्य,

अनुचित विषयक आपके पत्रांक नो/757 दिनांक 2-2-85 के सर्वे में
प्रकाशित मजहस्त एक डिग्री महाविद्यालय, तरवारा
(सोवान) के तम 1985-86 से दो सत्रों के लिये 400 रु० एवं 400 रु० (पाठ) स्तर पर
सर्वजन के सर्वे, विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित विषयों एवं इत्तों के आधार पर
अनुचित मार रोहत देने के प्रस्ताव को सहमति प्रकट करने की कृपा किया है।

विश्वविद्यालय द्वारा अनुचित विषय

400 रु० (पाठ) :- हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, इतिहास, राजनीतिशास्त्र,
दर्शनशास्त्र, भूगोल, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान, संगीत,
मौखिक, सौजपुरी, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं
संस्कृत तन्त्र-यानिच्य गुप ।

अनुचित (उच्च शिक्षा) को इच्छा सुचना दे वा ग्या है।
विश्वविद्यालय,

80/- (इफ्तेत ब्रह्मद)
सरकार के विशेष सचिव, बिहार।

पत्रांक 1474 पटना, दिनांक 10 दिसम्बर, 85
प्रातिगृहि निदेशक (उच्च शिक्षा), बिहार, पटना/ सचिव, सलीज सेवा आयोग,
पटना/ प्रकाशनालय, मजहस्त एक महाविद्यालय, तरवारा, सोवान/ एवं श्री अर्जुन सिंह,
मौखिक विभाग, बिहार सरकार, बिहार, पटना 12/12/85, बिहार निदेशक,
विश्वविद्यालय प्रोफेसर।

(इफ्तेत ब्रह्मद)
सरकार के विशेष सचिव, बिहार।

पनांक - 15/26-0100-0330150-

बिहार सरकार,
उच्च शिक्षा विभाग।

प्रेषक,

श्री ठाकुर श्यामानन्द,
सरकार के संयुक्त सचिव, बिहार।

सेवा में,

श्री कृष्ण साधव,

डीओ कार्यालय श्रीम. राव अम्बेडकर

बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर।

श्री जय प्रकाश विश्वविद्यालय, जयपुर।

पटना, दिनांक-

मार्च, 94।

विषय:-

सी०डब्ल्यू०जे०सी०नं०-5277/92 मजल्ल सक डिग्री महाविद्यालय, तरवारा
सिद्धान्त जो त्नाक कला एवं वाणिज्य स्तर में स्थायी संबंध प्रदान करने
के संबंध में।

महाशय,

अपुनक विषयक आपके पनांक-दो/2306 दिनांक 17-12-92 के प्रसंग में
निदेशानुसार कहना है कि राज्य सरकार ने मजल्लसक डिग्री महाविद्यालय तरवारा
सिद्धान्त जो प्र. में सी०डब्ल्यू० तथा सी० कॉम पास स्तर अर्थात् संबंध स्थायी संबंध तद्वे
जाने के प्रस्ताव में तद्विषय प्रदान करने की कृपा की है।

निदेशक उच्च शिक्षा बिहार जो सूचित कर दिया गया है।

विश्वासभाजन,

हो/- श्री ठाकुर श्यामानन्द
सरकार के संयुक्त सचिव, बिहार।

ज्ञापक- 1411

पटना, दिनांक- 9 मार्च, 94।

प्रतिलिपि निदेशक उच्च शिक्षा, बिहार/सचिव, बिहार कालेज सेवा आयोग,
पटना/प्राचार्य, मजल्लसक डिग्री महाविद्यालय, तरवारा, सिद्धान्त/श्री रत०पत० आलम सरकारी
अधिवक्ता संख्या-8 माननीय उच्च न्यायालय पटना, सी०डब्ल्यू०जे०सी०नं०-5277/92 के प्रसंग
में एवं प्रशाखा-14 एवं 15 /श्री जावेद तडाक, प्रशाखा-14 को सूचना एवं आवश्यक
कार्यार्थ देपित।

श्री ठाकुर श्यामानन्द
सरकार के संयुक्त सचिव, बिहार।

9.3.94

पत्र संख्या 14/स 1-21/97
बिहार सरकार
मानव संसाधन विकास विभाग

प्रेषक,

ओंकार नाथ आर्य,
सरकार के उप सचिव।

सेवा में,

कुलसचिव,
जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा।

पटना, दिनांक-- 2010

विषय:- मजरूल हक डिग्री महाविद्यालय, तरवारा सिवान को स्नातक कला एवं स्नातक वाणिज्य स्तर का स्थायी संबंधन के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक 726 दिनांक 28.08.02 के प्रसंग में निदेशानुसार कहना है कि राज्य सरकार ने मजरूल हक डिग्री महाविद्यालय तरवारा, सिवान को विश्वविद्यालय के अनुशंसा के आलोक में स्नातक कला एवं स्नातक वाणिज्य प्रतिष्ठा स्तर का स्नातक स्तर अर्हित निम्नांकित विषयों में स्थायी संबंधन प्रदान करने की कृप की है:-

क्र०	संकाय./स्तर	विषय	शिक्षणिक सत्र
1	2	3	4

01 स्नातक कला प्रतिष्ठा स्तर
1. हिन्दी 2. अंग्रेजी 3. संस्कृत 4. उर्दू 5. वर्तमान सत्र
इतिहास 6. राजनीतिशास्त्र 7. दर्शनशास्त्र 8. 2009-10 से
भूगोल 9. मनोदिज्ञान 10. गृह विज्ञान 11. संगीत स्थायी संबंधन
12. मैथिली 13. भोजपुरी 14. प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति

02 स्नातक वाणिज्य (गुप) प्रतिष्ठा स्तर
वाणिज्य गुप के सभी विषयों में वर्तमान सत्र
2009-10 से
स्थायी संबंधन

2. उपर्युक्त संबंधन विभागीय संकल्प संख्या 1846 दिनांक 21.11.08 से अच्छादित होगा।
3. निदेशक (उच्च शिक्षा) मानव संसाधन विकास विभाग, बेहार को सूचित किया जाता है।

विभागाध्यक्ष

ह०/-

(ओंकार नाथ आर्य)
सरकार के उप सचिव

प्रतिनिधि - निदेशक (उच्च शिक्षा) मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार / सहायक
प्रमुख हक डिग्री महाविद्यालय तरवासा सिवान / प्रशाखा पदाधिकारी 15, मानव संसाधन
विकास विभाग, बिहार को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

(आंकार नाथ आर्य)
सरकार के उप सचिव

10
उपरोक्त अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों पर दिया जाता है:-

1. स्वीकृत किये गये पदों हेतु पूर्व या वर्तमान का किसी प्रकार का वित्तीय भार सरकार वहन नहीं करेगी। सरकार कॉलेज को विभागीय संकल्प सं० 1846 दिनांक 21.11.08 के तहत उत्तीर्ण छात्रों की संख्या के आधार पर ही अनुदान देगी। वह अनुदान भी विश्वविद्यालय से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार तथा सरकार द्वारा उसका अनुमोदन होने की स्थिति में देय होगा।

2. उपरोक्त पद-सृजन के बाद इस कॉलेज में 18 पूर्व से स्वीकृत पदों (16 कला एवं 2 वाणिज्य) के विरुद्ध 45 शिक्षक कार्य कर रहे हैं। अतः उन्हें कला संकाय में 18 पद विज्ञान संकाय में 5 पद तथा वाणिज्य संकाय में 2 पद यानि कुल 25 पद छोड़कर शेष 20 शिक्षकों की नियुक्तियाँ कॉलेज प्रबंधन रह करें और उन्हें सेवा से हटाये। साथ ही शिक्षकेतर कर्मों के कोई नया पद की स्वीकृति नहीं दी जा रही है। कॉलेज में 39 पद के विरुद्ध 50 शिक्षकेतर कर्मों कार्य कर रहे हैं। अतः कॉलेज प्रबंधन 11 शिक्षकेतर कर्मियों की नियुक्तियाँ रह करें और उन कर्मियों को सेवा से हटाये। अन्यथा महाविद्यालय को कोई भी अनुदान देय नहीं होगा।

विश्वासभाजन,
ह०/-

(ओंकार नाथ आर्य)
सरकार के उप सचिव

सांख्यिक- 14/स 1-21/97 - 1976

पटना, दिनांक- 18.6.10

प्रतिलिपि: प्राचार्य, मजहसूल हक डिग्री महाविद्यालय, तरवारा (सीवान) को सूचनार्थ प्रेषित।

(ओंकार नाथ आर्य)
सरकार के उप सचिव

3mm
21/6/10

Attested

प्राचार्य
मजहसूल हक डिग्री महाविद्यालय
तरवारा (सीवान)

Attested

मजहसूल हक डिग्री महाविद्यालय
तरवारा (सीवान)
पटना